Chap 02: राष्ट्रीय आय का लेखांकन

हम पढेंगे:

राष्ट्रीय आय का अर्थ, राष्ट्रीय आय की कुछ प्रमुख शब्दावलियाँ, राष्ट्रीय आय की अवधारणायें, सकल घरेलु उत्पाद, सकल राष्ट्रीय उत्पाद, शुद्ध घरेलू उत्पाद, शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद, राष्ट्रीय आय की मापन की विधियाँ

राष्ट्रीय आय (National Income) का अर्थ

राष्ट्रीय आय से आशाय किसी एक वर्ष के अंतर्गत उत्पाद सभी अंतिम वस्तु आवास सेवाओं के बाजार मूल्य के कुल जोड़ से है।

अथवा

एक देश में निवासित सभी **सामान्य नागरिकों** के द्वारा **घरेलू क्षेत्र** के अंतर्गत अर्जित सभी **साधन आयो** तथा **विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय** के जोड़ को राष्ट्रीय कहते हैं

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यादा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@dhali_sir*

राष्ट्रीय की कुछ मूल अवधारणाएं

घरेलू क्षेत्र (Domestic Territory)

वह क्षेत्र जिसके अंतर्गत देश का राजनीतिक एवं आर्थिक क्रियायें संपन्न की जाती है घरेलू क्षेत्र कहते हैं घरेलू क्षेत्र की अवधारणा देश की भौगोलिक सीमाओं के विचार से अलग होती है।
इसके अंतर्गत निम्न सम्मिलित होते हैं:

- देश की राजनीतिक सीमा सीमान्तर्गत जल क्षेत्रों सहित
- देश के सामान्य नागरिको के दौरा विभिन्न देशों के बीच संचालित जल या वायुयान
- महासागरों में मछुआरों के जहाज तेल गैस अन्वेषण या उत्पादन के लिए लगाए गए संयंत्र
- अन्य देशों में स्थित हमारे दूतावास वाणिज्य दूतावास और सैन्य शिविर आदि

THE ECONOMICS GURU

सामान्य निवासी (Normal Resident)

किसी देश के सामान्य निवासी भी होते हैं जो आम तौर पर ***उस देश में रहते हैं*** तथा जिनके ***आर्थिक हित*** उसी देश से जुड़े रहते हैं ।

भारत के सामान्य निवासियों में भारत के नागरिको के साथ साथ वे विदेशी भी सम्मिलित होंगे जो यहाँ रहकर अपनी आजीविका कमाते हैं तथा अन्य आर्थिक क्रिया करते हैं जैसे उत्पादन, उपभोग विनियोग आदि आर्थिक गतिविधियों में संगठन है ने भारत का निवासी माना जाता है।

भारत का निवासी बनने के लिए भारत की घरेलु सीमा के अंतर्गत रहना अनिवार्य है-

अर्थात वे विदेशी पर्यटक विदेशी छात्र विदेशी कर्मचारी विदेशी अधिकारी राजदूत विदेशी सैनिक अंतर्राष्ट्रीय संगठन में काम करने वाले विदेशी कर्मचारी आदि भारत के सामान्य नागरिक नहीं होंगे

मध्यवर्ती और अंतिम वस्तुएँ

मध्यवर्ती वस्तुएँ वे वस्तुएँ जिन्हें आगे उत्पादन के काम में लिया जाता है या जिनकी बिक्री की जा रही होती है उन्हें मध्यवर्ती वस्तुएँ कहते हैं। राष्ट्रीय आय की गणना में मध्यवर्ती वस्तुओं को शामिल नहीं किया जाता है

अंतिम वस्तुएँ वे वस्तुएं हैं जिनका उपभोक्ता के द्वारा अंतिम रूप से अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए उपयोग कर दिया जाता है तथा जिनका आगे निर्माण आप उन विक्रय नहीं होता है, उन्हें अंतिम वस्तुएँ कहते हैं

अंतिम वस्तुओं को राष्ट्रीय की गणना में शामिल किया जाता है

साधन आय (Factor Income)

उत्पादन के विभिन्न साधनों के द्वारा प्राप्त आय को साधन आय कहा जाता है:

उत्पादन के साधन	प्राप्त साधन आय
भूमि	लगान/ किराया
पूंजी	ब्याज
श्रम	वेतन या मजदूरी
साहसी	लाभ

उत्पादन मूल्य (Value of Output) और मूल्यवृद्धि (Value Added)

उत्पादन मूल्य (value of output):

उत्पादक इकाई कच्चे माल तथा साधन सेवाओं का उत्पादन के लिए प्रयोग करती हैं और इनके माध्यम से विभिन्न प्रकार की वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन किया जाता है। इन सभी चीजों के मौद्रिक मूल्य को उत्पादन का मूल्य कहते हैं अर्थात इसके अंतर्गत मध्यवर्ती वस्तुओं का मूल्य भी उत्पादन मूल्य में शामिल रहता है।

उत्पादन का मूल्य = मात्रा × कीमत

या

उत्पादन का मूल्य = बिक्री + भंडार में परिवर्तन

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

मूल्यवृद्धि (Value Added)

उत्पादन के मूल्य में से मध्यवर्ती वस्तुओं के दाम घटाकर मूल्य वृद्धि के आंकड़े प्राप्त होते हैं अर्थात मूल्य वृद्धि उत्पादन के मूल्य और मध्यवर्ती वस्तुओं के मूल्य का अंतर है।

मूल्य वृद्धि = उत्पादन का मूल्य - मध्यवर्ती उपभोग

बाज़ार कीमत और साधन लागत

साधन लागत (Factor Cost)

उत्पादकों के द्वारा किसी वस्तु या सेवाओं के उत्पादन के लिए उपयोग किए गए साधनों पर किया गया व्यय साधन लागत कहलाता है। जैसे भूमि को लगान, पूंजी को ब्याज, श्रम को मजदूरी तथा साहसी को लाभ इन सभी का योग साधन लागत या आय करते हैं।

THE ECONOMICS GURU

बाजार कीमत (Market Price)

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

वह कीमत जिस पर वास्तव में बाजार में किसी वस्तु और सेवाओं की बिक्री होती है, बाज़ार कीमत कहते है। बाजार कीमत पर **शुद्ध अप्रत्यक्ष कर** जुड़ा होता है।

शुद्ध अप्रत्यक्ष कर ***अप्रत्यक्ष कर*** तथा ***आर्थिक सहायता*** के बीच के अंतर को शुद्ध अप्रत्यक्ष कर (Net Indirect Taxes) कहा जाता है

अप्रत्यक्ष कर (Indirect Taxes) सरकार द्वारा वस्तु के उत्पादन विक्रय और आयात पर लगाए गए उत्पादन शुल्क, विक्रय कर, सीमा शुल्क या जी GST आदि को अप्रत्यक्ष कर कहा जाता है। अप्रत्यक्ष करों से वस्तुओं के बाजार विक्रय मूल्य में विक्रय होती वृद्धि हो जाती है

आर्थिक सहायता (Subsidies) सरकार कई बार उत्पादों को अपने द्वारा निर्धारित कम दामों पर वस्तुएं बेचने की वित्तीय सहायता प्रदान करती है यह सहायता उन्हीं वस्तुओं के लिए उत्पादकों को दी जाती है जिनका उत्पादन सरकार बढ़ाना चाहती है।

यदि आपकी सहायता अप्रत्यक्ष करों में से घटा दी जाए तो निवल अप्रत्यक्ष कर प्राप्त होता है

अर्थात

निवल अप्रत्यक्ष कर (NIT) = अप्रत्यक्ष कर - आर्थिक सहायता

घरेलू आय तथा राष्ट्रीय आय

घरेलू आय (Domestic Income)

देश की सभी उत्पादक इकाइयों द्वारा की गई मूल्य वृद्धि का योग घरेलू या आंतरिक उत्पादन कहलाता है।

अर्थात देश के सभी निवासियों को द्वारा घरेलू क्षेत्र के अंतर्गत के निश्चित समय अवधि में किए गए अंतिम वस्तु और सेवाओं के उत्पादन के बाजार मूल्य के योग को घरेलू आय कहा जाता है।

इसमें **विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय के मूल्य** को शामिल नहीं किया जाता है।

राष्ट्रीय आय (National Income)

घरेलू क्षेत्र में उत्पादित आय तथा विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय को जोड़कर जो कुल राशि प्राप्त होती है उसे राष्ट्रीय कहा जाता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अर्थात

राष्ट्रीय आय घरेलू आय तथा शुद्ध विदेशी आय का योग होती है।

विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय (Net Factor Income from Abroad)

विदेशों से शुद्ध साधन आय एक देश के सामान्य निवासियों के द्वारा दूसरे देशों को अपनी साधन सेवा एवं संपत्ति प्रदान करने के बदले प्राप्त आय और इस देश की घरेलु सीमा में विदेशियों द्वारा प्रदान किए गए सेवाओं के बदले में दी गई आय के अंतर के बराबर होता है

अर्थात,

विदेशों से शुद्ध साधन आय = देश के निवासियों द्वारा विदेशों से अर्जित साधनाएं - निवासियों द्वारा हमारे देश में अर्जित साधन आय

विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय के घटक

- कर्मचारियों की शुद्ध क्षतिपूर्ति
- कर्मचारियों की शुद्ध क्षतिपूर्ति संपत्ति तथा उद्यम में वृद्धि से प्राप्त शुद्ध आय
- विदेशों से निवेश कंपनी की शुद्ध प्रतिधारित आय आदि

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

राष्ट्रीय आय की अवधारणाएं

Aggregates of National Income

1. बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDPmp)
2. बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNPmp)
3. बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNPmp)
4. बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDPmp)
5. साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDPfc)
6. साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDPfc)
7. साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNPfc)
8. साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNPfc)

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद

GROSS DOMESTIC PRODUCT AT MARKET PRICE - GDPmp

एक लेखा वर्ष किसी देश की घरेलू सीमा में सभी उत्पादों के द्वारा जितनी भी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन होता है, उनकी बाजार कीमत के योग को बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद कहा जाता है।

सकल घरेलू उत्पाद की विशेषताएं

- इसमें केवल देश की घरेलू सीमाओं में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं को ही सम्मिलित किया जाता है।
- उत्पादों के सकल मूल्य का माप प्रस्तुत करता है क्योंकि इसमें मूल्यह्रास जुड़ा हुआ रहता है।
- इसमें केवल अंतिम वस्तुओं व सेवाओं के मूल्य को शामिल किया जाता है।
- इसके अंतर्गत वस्तुओं व सेवाओं के बाजार मूल्य को शामिल किया जाता है।
- सकल घरेलू उत्पाद की गणना एक लेखा वर्ष के लिए किया जाता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

इस प्रकार,

GDPmp = एक वर्ष में देश की सीमा में कुल उत्पादित अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं का मूल्य

अथवा

GDPmp = कुल उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं का मूल्य - मध्यवर्ती वस्तुओं तथा सेवाओं का मूल्य

बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद

GROSS NATIONAL PRODUCT AT MARKET PRICE - GNPmp

बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद एक देश की घरेलू सीमा में सामान्य निवासियों द्वारा एक लेखा वर्ष में उत्पादित अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं के बाजार मूल्य एवं विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय का जोड़ है।

GNPmp = GDPmp + विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय

GNPmp = GDPmp + NFIA

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद

NET NATIONAL PRODUCT AT MARKET PRICE - NNPmp

एक देश की घरेलू सीमा में सामान्य निवासियों द्वारा एक लेखा वर्ष में उत्पादित अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं के बाजार मूल्य एवं विदेशों से प्राप्त साधन आय के जोड़ में सें मूल्यह्रास को हटाने के बाद प्राप्त राशि को बाजार कीमत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद कहा जाता है।

NNPmp= GNPmp - मूल्यह्रास (घिसावट व्यय)

बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद

NET DOMESTIC PRODUCT AT MARKET PRICE - NDPmp

बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद एक देश की घरेलू सीमा में सामान्य निवासियों तथा गैर निवासियों द्वारा एक लेखा वर्ष में उत्पादित अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं के बाजार मूल्य के बराबर है। इनमें से घिसावट मूल्य घटा दिया जाता है।

बाजार कीमत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद = बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद - पूंजी का उपभोग या घिसावट व्यय

NDPmp= GDPmp - Depreciation

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पाद अथवा शुद्ध घरेलू आय

NET DOMESTIC PRODUCT AT FACTOR COST - NDPfc

एक लेखा वर्ष में एक देश की घरेलू सीमा में अर्जित साधन आय (लगान+ मजदूरी +ब्याज + लाभ) के कुल जोड़ को शुद्ध घरेलू आय अथवा साधन लागत पर शुद्ध घरेलू उत्पादन कहा जाता है।

NDPfc = NDPmp - शुद्ध अप्रत्यक्ष कर

या

NDPfc= लगान+ मजदूरी +ब्याज + लाभ

साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद

GROSS DOMESTIC PRODUCT AT FACTOR COST - GDPfc

साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद घरेलू सीमा में एक लेखा वर्ष में सामान्य निवासियों द्वारा मजदूरी लागत, ब्याज तथा लाभ के रूप में अर्जित आय तथा पूंजी उपभोग मूल्य का जोड़ है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

GDPfc = NDPfc + पूंजी उपभोग मूल्य (घिसावट व्यय)

साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद

GROSS NATIONAL PRODUCT AT FACTOR COST - GNPfc

साधन लागत पर राष्ट्रीय आय एक देश में एक वर्ष में सामान्य निवासियों द्वारा अर्जित साधन लागतों का कुल जोड़ है जिसमें अचल पूंजी का उपभोग घिसावट व्यय सम्मिलित रहता है।

GNPfc = GDPfc+ विदेशों से शुद्ध साधन आय (NFIA)

साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद अथवा राष्ट्रीय आय

NET NATIONAL PRODUCT AT FACTOR COST - NNPfc

किसी एक लेखा वर्ष में किसी देश की घरेलू सीमा में अर्जित कुल साधन आय **(लगान, मजदूरी, ब्याज तथा लाभ)** तथा विदेशों से शुद्ध साधन आय का जोड़ साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद या राष्ट्रीय आय कहलाता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद एक वर्ष में एक देश के सामान्य निवासियों द्वारा अर्जित कुल साधन आय का जोड़ होता है।

राष्ट्रीय आय = घरेलू आय + विदेशों से शुद्ध साधन आय

NNPfc = NDPfc + NFIA

SHORT TRICK

सकल (Gross) → (-) मूल्य ह्रास → **शुद्ध (Net)**
शुद्ध (Net) → (+) मूल्य ह्रास → **सकल (Gross)**

घरेलू (Domestic) → (+) NFIA → **राष्ट्रीय (National)**
राष्ट्रीय (National) → (-) NFIA → **घरेलू (Domestic)**

बाजार कीमत (Market Price) → (-) NIT → **साधन लागत (Factor Cost)**
साधन लागत (Factor Cost) → (+) NIT → **बाजार कीमत (Market Price)**

निम्नलिखित आंकड़ों से राष्ट्रीय आय की गणना कीजिये:

मदें	₹ (करोड़ में)
1. बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद	8000
2. घिसावट व्यय	260
3. शुद्ध अप्रत्यक्ष कर	200
4. विदेशो से प्राप्त शुद्ध साधन आय	120

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

उत्तर:

राष्ट्रीय आय (NNPfc) = GDPmp - मुल्यह्रास - शुद्ध अप्रत्यक्ष कर + विदेशो से शुद्ध साधन आय (NFIA)

NNPfc = 8000 – 260 – 200 + 120

NNPfc = 8120 - 460

NNPfc = ₹7,660 cr.

www.theconomicsguru.com

निम्नलिखित आंकड़ों से घरेलू आय की गणना कीजिये:

मदें	₹ (करोड़ में)
1. अप्रत्यक्ष कर	500
2. विदेशों से प्राप्त साधन आय	650
3. विदेशों को भुगतान साधन आय	700
4. सब्सिडी	240
5. बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद	8500
6. स्थिर पूंजी का उपभोग	400

उत्तर:

घरेलू आय (NDPfc) = GDPmp - स्थिर पूंजी का उपभोग - (अप्रत्यक्ष कर - सब्सिडी)

NDPfc = 8500 – 400 – (500 -240)

NDPfc = 8500 – 400 – 360

NDPfc = 8500 – 760

NDPfc = ₹7,740 cr.

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

राष्ट्रीय आय के मापन की विधियाँ

- उत्पाद विधि/ मूल्य वृद्धि विधि
- आय विधि
- व्यय विधि

उत्पाद विधि/ मूल्य वृद्धि विधि (Value Added Method)

देश में उत्पादित समस्त वस्तुओं व सेवाओं के मूल्य का योग ही राष्ट्रीय आय कहलाती है।

इसके अंतर्गत देश में एक वर्ष में उत्पन्न ***वस्तुओं और सेवाओं का शुद्ध मूल्य*** ज्ञात किया जाता है और फिर उसे जोड़ लिया जाता है।

राष्ट्रीय आय की माप के चरण

प्रथम कदम: उत्पादन क्षेत्रों की पहचान तथा वर्गीकरण

उत्पादन के तीन क्षेत्र होते है-

THE ECONOMICS GURU

1. **कृषि या प्राथमिक क्षेत्र (Primary Sector)-** कृषि, वन, मछलीपालन, पशुपालन, खनन एवं उत्खनन आदि
2. **उद्योग या द्वितीयक क्षेत्र (Secondary Sector)-** निर्माण उद्योग, बिजली की आपूर्ति, जल एवं गैस आदि।
3. **सेवा या तृतीयक क्षेत्र (Tertiary Sector)-** यातायात, संचार, व्यापार, सार्वजानिक प्रशासन, बैंक, बीमा आदि।

दूसरा कदम: उत्पाद मूल्य की गणना

उत्पाद मूल्य की गनणा दो विधियों से की जा सकती है-

- अंतिम उत्पाद विधि (Final Product Method)
- मूल्य वृद्धि विधि (Value Added Method)

अंतिम उत्पाद विधि- इसके अंतर्गत केवल अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य को ही शामिल किया जाता है।

अर्थात अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के कुल मूल्य में मध्यवर्ती वास्तु के मूल्य को घटाकर ही अन्तिम उत्पाद मूल्य की गणना की जाती है।

अंतिम वास्तु का मूल्य = कुल उत्पाद मूल्य - मध्यवर्ती वस्तुओं का मूल्य

मूल्य वृद्धि विधि - राष्ट्रीय आय के आकलन में दोहरी गणना से बचने के लिए मूल्य वृद्धि विधि का प्रयोग किया जाता है।

इसके अंतर्गत

उत्पादन मूल्य = बिक्री + स्टॉक में परिवर्तन (ΔS)
मूल्य वृद्धि = उत्पादन मूल्य - मध्यवर्ती वस्तुएं

तीसरा कदम- राष्ट्रीय आय का आकलन

सकल मूल्य वृद्धि (GVAmp)/ (GDPmp) = VAp + VAs + VAt

THE ECONOMICS GURU

OR

GDPmp= बिक्री + स्टॉक में परिवर्तन (ΔS) - मध्यवर्ती वस्तुएं

साधन लागत पर शुद्ध मूल्य वृद्धि (NVAfc)/ शुद्ध घरेलु उत्पाद (NDPfc)-

NVAfc/ NDPfc= GVAmp - शुद्ध अप्रत्यक्ष कर - मूल्यह्रास

साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNPfc)=

NNPfc = NDPf + विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय (NFIA)

उत्पाद विधि से सम्बंधित सावधानियां:

सम्मिलित मदें:

- पुरानी वस्तुओं के व्यापारियों की दलाली या कमीशन
- सभी उत्पादक उद्यमों द्वारा किये गए स्वलेखा उत्पादन को मूल्य वृद्धि में शामिल
- स्व उपभोग के लिए उत्पादन का आरोपित मूल्य शामिल
- स्वयं के मकान का किराया

असम्मिलित मदें-

- मध्यवर्ती वस्तुओं के मूल्यों को शामिल नहीं करते है
- पुरानी वस्तुओं के क्रय- विक्रय का मूल्य
- स्व उपभोग सेवाओं का मूल्य

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

उदाहरण: निम्नलिखित आंकड़ो से राष्ट्रीय आय की गणना कीजिये:

मदें	*₹(करोड़)*
1. मध्यवर्ती लागतें	1500
2. बिक्री	4500
3. स्टॉक में परिवर्तन	600
4. स्थायी पूंजी का उपभोग	700
5. शुद्ध अप्रत्यक्ष कर	240
6. विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय	(-)200

उत्तर:

GDPmp = बिक्री + स्टॉक में परिवर्तन - मध्यवर्ती लागतें

GDPmp = 4500 + 600 – 1500

GDPmp = 5100 – 1500

GDPmp = ₹3600 cr.

राष्ट्रीय आय (NNPfc) = GDPmp – स्थायी पूंजी का उपभोग - शुद्ध अप्रत्यक्ष कर + विदेशों से शुद्ध साधन आय

NNPfc = 3600 – 700 – 240 + (-200)

NNPfc = 3600 – 1140

NNPfc = ₹2460 cr.

आय विधि (Income Method)

आय विधि वह विधि है जो एक लेखा वर्ष में उत्पादन के साधनों जैसे **श्रम, पूंजी, भूमि व उद्यम** के उसकी उत्पादक सेवाओं के बदले में क्रमशः ***मजदूरी, लगान, ब्याज तथा लाभ*** के रूप में किया भुगतान की गणना करके राष्ट्रीय आय की माप करती है

आय विधि के अंतर्गत सभी साधन आयों का योग करके राष्ट्रीय आय की गणना की जाती है।

आय विधि द्वारा राष्ट्रीय आय मापने के कदम

पहला कदम: साधन आय का वर्गीकरण

उत्पाद तथा प्राप्त आयो का उचित वर्गीकरण किया जाता है

साधन	साधन आय
भूमि	लगान
पूंजी	ब्याज
श्रम	पारिश्रमिक
साहसी	लाभ
स्वरोजगार	मिश्रित आय

कर्मचारियों का पारिश्रमिक

इसके अंतर्गत निम्नलिखित मदों को सम्मानित किया जाता है-

- नकदी के रूप में वेतन व मजदूर

- महंगाई भत्ता बोनस चिकित्सा भत्ता आदि
- वस्तु के रूप में परिश्रमिक जैसे निशुल्क आवास, मनोरंजन सुविधाएं, कपड़े आदि
- सेवायोजकों द्वारा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में योगदान जैसे प्रोविडेंट फंड, जीवन बीमा आदि

लगान - भूमि के मालिक को मिलने वाला पुरस्कार

ब्याज - उधार दी गई पूंजी के बदले में प्राप्त प्रतिफल ।

लाभ - साहसी को व्यवसाय की अनिश्चितता एवं जोखिम झेलने के लिए मिलने वाले पुरस्कार ।

लाभ के घटक

- लाभांश
- अवितरित लाभ
- निगम लाभ कर

लाभ = लाभांश + अवितरित लाभ + निगम लाभ कर

मिश्रित आय - स्वनियोजित कर्मचारियों व अनिगमित उद्यमों जैसे एकल स्वामित्व, छोटी साझेदारियों के आय को मिश्रित आय कहते हैं।

परिचालन अधिशेष - उद्यमवृत्ति से प्राप्त आय परिचालन अधिशेष कहलाता है। परिचालन अधिशेष किराया, व्याज तथा लाभ का योग होती है।

परिचालन अधिशेष = किराया + ब्याज + लाभ

दूसरा कदम: घरेलू आय का आकलन

सभी प्रकार के साधन आयों का योग करके घरेलू आय अर्थात साधन लागत पर घरेलू उत्पादन की गणना की जाती है

घरेलू आय (NDPfc) = ब्याज + लगान + लाभ + पारिश्रमिक + मिश्रित आय

तीसरा कदम: राष्ट्रीय आय की गणना

राष्ट्रीय आय की गणना के लिए घरेलू आय में विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय को जोड़ दिया जाता है।

राष्ट्रीय आय (NNPfc) = NDPfc + NFIA

आय विधि से जुड़ी सावधानियां

- पुरानी वस्तुओं की क्रय-विक्रय से प्राप्त आय या कमीशन को राष्ट्रीय आय में शामिल किया जाता है
- हस्तांतरण भुगतान- जैसे वृद्धा पेंशन, छात्रवृत्ति या बेरोजगारी भत्ता आदि राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं करते
- शेयर तथा बॉन्ड्स की बिक्री को भी राष्ट्रीय में शामिल नहीं किया जाता है
- अवैध क्रियाकलापों जैसे डकैती, काला धन, जुआ आदि से प्राप्त आय को राष्ट्रीय में शामिल नहीं करते
- लॉटरी तथा अन्य पूंजीगत लाभों से प्राप्त आय को राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं किया जाता है
- स्वयं के मकान का किराया राष्ट्रीय में शामिल किया जाता है

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

व्यय विधि (Expenditure Method)

व्यय विधि राष्ट्रीय आय को मापने की तीसरी विधि है।

इस विधि को **अंतिम विधि या उपभोग विनियोग विधि** भी कहा जाता है क्योंकि इस विधि के अनुसार *अंतिम उपभोग और विनियोग व्यय को जोड़कर राष्ट्रीय आय की गणना* की जाती है।

परिभाषा

व्यय विधि वह विधि है जिसके द्वारा एक लेखा वर्ष में बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद पर किए गए अंतिम व्यय को मापा जाता है। यह अंतिम व बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद के बराबर होता है।

व्यय विधि के कदम (Steps in Expenditure Method)

पहला कदम- अंतिम व्ययों (Final Expenditure) की पहचान

इसके के अंतर्गत सबसे पहले अंतिम व्यय करने वाले प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की जाती है किसी भी आर्थिक इकाई में अंतिम करने वाले प्रमुख क्षेत्र होते हैं-

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

1. **परिवार क्षेत्र**
2. **उत्पादक क्षेत्र**
3. **सरकारी क्षेत्र**
4. **शेष विश्व**

दूसरा कदम - अंतिम व्ययों की गणना

अंतिम व्यय

- **अंतिम उपभोग व्यय**
  - **निजी अंतिम उपभोग व्यय**
  - **सरकारी अंतिम उपभोग व्यय**
- **विनियोग या सकल पूंजी निर्माण**
  - **निजी विनियोग**
  - **सरकारी विनियोग**
- **वस्तुओं व सेवाओं का शुद्ध निर्यात (X-M)**

निजी अंतिम उपभोग व्यय (Private Final Consumption Expenditure)

देश के निवासियों द्वारा अपनी आवश्यकता की संतुष्टि के लिए किया जाने वाला व्यय उपभोग व्यय है।

यह सभी **वस्तुओं व सेवाओं पर किए गए व्ययों का योग का प्रतिफल** है

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (Government Final Consumption Expenditure)

सरकार द्वारा देश के विकास के किया गया व्यय सरकारी अंतिम उपभोग व्यय कहलाता है जिसके अंदर का प्रमुख मदें शामिल होती है

- स्कूल कर्मचारियों को दिया गया वेतन
- सरकार द्वारा सामूहिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वस्तुओं और सेवाओं का शुद्ध क्रय
- विदेशों में वस्तुओं और सेवाओं का शुद्ध क्रय

विनियोग या सकल पूंजी निर्माण (Investment or Gross Capital Formation)

एक वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था की पूंजीगत संपत्तियों के मूल्य में होने वाली वृद्धि विनियोग या पूंजी निर्माण कहते हैं।

यह विनियोग *निजी तथा सरकारी* दोनों हो सकते हैं

पूंजी निर्माण के दो प्रमुख तत्व हैं:

- *सकल घरेलू स्थिर पूंजी निर्माण*
- *स्टॉक में परिवर्तन*

वस्तुओं एवं सेवाओं का शुद्ध निर्यात (Net Export)

निर्यात और आयात के अंतर को शुद्ध निर्यात कहते हैं

शुद्ध निर्यात = निर्यात - आयत (X-M)

तीसरा कदम कुल अंतिम व्यय या बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDPmp) की गणना

इस कदम से सभी प्रकार के अंतिम व्ययों का योग करके कुल अंतिम व्यय अर्थात सकल घरेलू उत्पाद की गणना की जाती है

कुल अंतिम व्यय अर्थात सकल घरेलू उत्पाद = निजी अंतिम उपभोग व्यय (C) + सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (G) + सकल घरेलु पूंजी निर्माण (I) + शुद्ध निर्यात (X-M)

GDPmp = C + G + I + (X-M)

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

चौथा कदम: राष्ट्रीय आय (NNpfc) की गणना

सकल घरेलू उत्पाद में से मूल्यह्रास तथा शुद्ध अप्रत्यक्ष कर को हटाकर विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय का योग करके राष्ट्रीय आय की गणना की जाती है

राष्ट्रीय आय (NNPfc) = सकल घरेलु उत्पाद - मूल्यह्रास - शुद्ध अप्रत्यक्ष कर + विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय
NNPfc = GDPmp - DEP - NIT + NFIA

व्यय विधि से जुड़ी प्रमुख सावधानियाँ

- पुरानी वस्तुओं पर व्यय को शामिल नहीं किया जाता
- अंश पत्र, ऋण पत्र आदि पर किए गए व्ययों को शामिल नहीं किया जाता
- मध्यवर्ती तथा अर्द्ध निर्मित वस्तुओं पर होने वाले व्ययों को भी शामिल नहीं किया जाता
- केवल अंतिम वस्तुओं व सेवाओं पर किए जाने वाले व्यय को शामिल किया जाता है
- सरकार द्वारा पेंशन, छात्रवृत्ति, बेरोजगारी भत्ता, बीमा आर्थिक सहायता आदि पर किए जाने वाले व्यय को शामिल नहीं किया जाता है

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

उदाहरण: निम्न आंकड़ों से राष्ट्रीय आय की गणना कीजिए

	₹
निजी अंतिम उपभोग व्यय	900
लाभ.	100
सरकारी अंतिम उपभोग व्यय	400
शुद्ध अप्रत्यक्ष कर	100
कुल घरेलू पूंजी निर्माण	250
स्टॉक में परिवर्तन.	50
विदेशों से शुद्ध कारक आय	-40
स्थिर पूंजी का उपयोग	20
शुद्ध आयात	30

उत्तर:

सकल घरेलु उत्पाद (GDPmp) = निजी अंतिम उपभोग व्यय + सरकारी अंतिम उपभोग व्यय + कुल घरेलू पूंजी निर्माण -शुद्ध आयात
GDPmp = 900 + 400 + 250 -30
GDPmp = ₹1520
राष्ट्रीय आय (NNPfc) = GDPmp - स्थिर पूंजी का उपयोग - शुद्ध अप्रत्यक्ष कर + विदेशों से शुद्ध कारक आय
NNPfc = 1520 - 20 - 100 + (-40)
NNPfc = 1520 - 160
NNPfc = ₹1360

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यादा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@dhali_sir*

www.theconomicsguru.com